भारतीय बीज विज्ञान संस्थान द्वारा वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दृ भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा भारत के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 28.09.2021 को जलवायु अनुकूल किस्में, प्रोधोगिकी एवं पद्धति विषय पर वैज्ञानिक–कृषक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद मऊ एवं गाजीपुर के लगभग 100 से अधिक कृषकों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक, डॉ संजय कुमार ने जलवायु परिवर्तन तथा इससे कृषि छेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन को देखते हुए हमें अपनी वर्तमान कृषि प्रणाली में जलवायु परिवर्तन के अनुसार आवश्यक बदलाव करने की जरुरत है । संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरविन्द नाथ सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा बतायी। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया की जलवायु परिवर्तन किस प्रकार कृषि के विभिन्न आयामों को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों में रोग तथा कीटों का प्रकोप बढ़ रहा है इसके अलावा सिचाई के संसाधनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. विशाल त्यागी ने कृषकों को जलवायु परिवर्तन के संकट तथा उससे बचने के उपायों के बारे में बताया। उन्होंने जलवायु अनुकूल विभिन्न प्रजातियों, विभिन्न प्रोधोगिकियों तथा विकल्पों पर प्रकाश डाला। कृषकों को आभासीय माध्यम के द्वारा माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में जोड़ा गया। इसके बाद कृषकों के द्वारा कृषि से जुड़े विभिन्न प्रश्न किये गए तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा उन प्रश्नों का उचित समाधान दिया गया। अंत में डॉ. विशाल त्यागी ने सभी कृषक बंधुओं तथा संस्थान के सभी कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।